भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

(जनसम्पर्क निदेशालय)

प्रेस विज्ञप्ति

देश में नागर विमानन के क्षेत्र में असाधारण योगदान के लिए श्री वी. सोमासुन्दरम, सदस्य (ए.एन.एस), भाविप्रा को प्रतिष्ठित एएसआई - भारत रत्न जे आर डी टाटा अवार्ड 2013 प्रदान कर सुरक्षित, सीमलैस तथा हरित वायु क्षेत्र के प्रति भाविप्रा के प्रयासों को सराहा गया

नई दिल्ली 9 जून, 2014 - भारतीय वैमानिकी सोसाइटी द्वारा वर्ष 2013 के लिए प्रतिष्ठित भारत रत्न जेआईडी टाटा अवार्ड श्री वी. सोमासुन्दरम, को प्रदान किया जाने से देश मे विमान दिकचालन सेवाओं को नई ऊचाई मिली है। देश में नागर विमानन के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान को अन्य वैमानिक विशेषज्ञों के मध्य विशेष रूप से सराहा गया है। इससे पहले श्री वी. सोमासुन्दरम ने पिछले तीन वर्षो से लगातार अन्तरराष्ट्रीय एटीसी अवार्ड जीत कर हेट ट्रिक लगाई है। इस प्रतिष्ठित भारतीय एएसआई भारत रत्न जे आर डी टाटा अवार्ड की इस जीत ने भारतीय विमान दिकचालन सेवाओं तथा भारतीय विमानपप्तन प्राधिकरण गौरवान्वित किया है।

एएसआई, वैमानिकी तथा वायुक्षेत्र विज्ञान के क्षेत्र में किए गए असाधारण योगदान तथा प्राप्त उपलब्धियों को सम्मानित करने के लिए वार्षिक राष्ट्रीय अवार्ड प्रदान करती है। एएसआई द्वारा प्रदान किए जाने वाले अन्य अवार्डों के तहत, भारत रत्न जे आर डी टाटा अवार्ड व्यक्ति विशेष को नागर विमानन के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिए दिया जाता है।

नामंकन शीर्षक "विमान दिक्चालन सेवाओं के क्षेत्र में मार्ग प्रशन्तिकरण" के माध्यम से श्री वी. सोमासुन्दरम के श्रमसाध्य प्रयास उत्साह तथा ध्येय लक्षित होते हैं जिनके माध्यम से देश में पिछले कुछ वर्षो के दौरान उल्लेखनीय एएमएस उपलाब्धियां प्राप्त हुई हैं। उन्होंने वायुक्षेत्र को और अधिक सुरक्षित, प्रभावी तथा व्यापक बनाने के लिए देश में ए एन एस अवसंरचना को सुधारने के लिए योगदान देने के साथ साथ सीमलेस एटीएम तथा वेश्विक सुमेलन के प्रति भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अवार्ड के लिए निर्णायक मंडल में डा. कोटा हरि नारायण राव तथा विमानन क्षेत्र के अनेक विशेषज्ञ शामिल थे, उन्होने श्री वी. सोमासुन्दरम, सदस्य (ए.एन.एस) को यह अवार्ड प्रदान किया। यह अवार्ड उन्हें विमान प्रचालन की सुरक्षा तथा क्षमता को बढ़ाने के लिए विमान दिकचालन अवसंरचना / प्रक्रिया / प्रशिषण के उन्नयन हेतु देश में उत्साही ए एन एस कार्मियों के दल का नेतृत्व करते हुए अनवरत अनुसंधान के लिए दिया गया है। ए एस आई ने पहली बार विमान दिक्चालन सेवओं को अपनी अवार्ड श्रेणी की परिधि में शामिल किया है।

यह अवार्ड उस व्यक्ति के लिए उपयुक्त सम्मान है जिसने भीड-भाड वाले भारतीय आकाश को सुरक्षित, सीमलैस तथा हरित आकाश में परिवर्तित कर दिया।

जनसम्पर्क निदेशालय द्वारा जारी

विवरण के लिए कृपया संपर्क करे

महाप्रबंधक (जनसम्पर्क) 9810025069

011-24622787